'पॉवर ऑफ द पास्ट, फोर्स ऑफ द फ्यूचर'

● त्रिदिवसीय 10वीं सर कॉन्फ्रेन्स का आयोजन। ● सात सौ से भी अधिक उच्च पदों पर आसीन व पी.एच.डी. होल्डर्स ने लिया भाग।

ज्ञान सरोवर। ब्रह्माकुमारीज़ एवं आर.ई.आर.एफ. के स्पार्क विंग के संयुक्त तत्वावधान में एक अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन का मुख्य विषय 'पॉवर ऑफ द पास्ट, फोर्स ऑफ द फ्यूचर' था।

'भूतकाल की हमारी शक्ति हैं हमारे आचार्य, वैज्ञानिक, शिक्षक और ऋषि-मुनि आदि। हमेशा हम उनसे ही सीखते आये हैं। शिक्षकों का कार्य है संसार को और खास कर अपने विद्यार्थियों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना। हमारा शरीर और इसके विभिन्न अंग भी हमें गहराई से प्रेरित करते हैं' - **पद्म भूषण डॉ.एम. एम. शर्मा।**

'हिस्ट्री ही हमारे पास्ट के विषय में बताती है। हमारा गौरवमय इतिहास था, बाद में अनाचार का दौर आया जिसमें हमारे ऋषि-मुनियों को सताया गया। आज 50 प्रतिशत् लोगों को जीने के साधन तक नहीं हैं। उनके बारें में भी हमें विचार करना होगा कि अध्यात्म के द्वारा हम अपने समाज को कैसे विकसित करें' - **न्यायमूर्ति श्री सिंह।**

'मैं यहाँ मुख्य अतिथि के रूप में नहीं बल्कि डेलिगेट के रूप में आया हूँ। मैं भी एक सामाजिक कार्यकर्ता हूँ, स्पार्क की कोर टीम से मिलकर बहुत खुशी हुई, इस संस्थान की सेवा वृत्ति महान है, अध्यात्म के आधार पर समाज सेवा का कार्य महान कार्य है। इतिहास से जो प्रेरणा मिलती है वह है हमारी विगत् की पॉवर, इससे हमारी जीवन-शैली विकसित होती है' - **मुख्य अतिथि बासवराज पाटिल,नीति आयोग के सदस्य।**

सम्मेलन में सम्बोधित करते हुए डॉ. एम.एम. शर्मा। मंचासीन हैं ब्र.कु. सरोज, ब्र.कु. अल्का, न्यायमूर्ति रविन्द्र सिंह, ब्र.कु. अम्बिका तथा अन्य।

'मेरा यहाँ का अनुभव अति उत्तम हैं, यहाँ मै ख़ुद प्ररित हो रहा हूँ, आध्यात्मिकता से परिपूर्ण है यहा का वातावरण। उन्होंने कहा कि प्रगति करने के लिए ईमानदारी आज हर व्यक्ति के लिए ज़रूरी है। चात्रक होना भी एक बड़ी शर्त है, इसके बिना विकास संभव नहीं है, अध्यात्म हमें यह सभी बातें सिखाता है' - **पद्म श्री डॉ. आर.बी. हसुर, सी.बी.इ.एस.एटॉमिक एनर्जी तथा मुम्बई विश्वविद्यालय के निर्देशक।**

'शक्ति का अर्थ धन-शक्ति, शारीरिक–शक्ति, राजनैतिक-शक्ति आदि माना जाता है, मगर इन शक्तियों ने लोगों को क्या दिया है? कुछ नहीं। शक्ति दरअसल है शांति की शक्ति, प्रेम की शक्ति, आनन्द की शक्ति और सहयोग की शक्ति। इन शक्तियों की प्राप्ति के लिए आध्यात्मिक प्रयोग किये जाने चाहिए' - **शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय।**

डी. आर. डी. ओ. दिल्ली में वैज्ञानिक सुशील चंद्र जी ने स्पार्क के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि वे 1995 से ही कार्यरत हैं। इस विंग में आध्यात्मिकता से सम्बंधित प्रयोग किये जाते हैं जो मानव और समाज को श्रेष्ठ बनाते हैं।

'यह सम्मेलन मेरी आँखे खोलने वाला है, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ, ज्ञान एक बहुत बड़ी शक्ति है। विगत् से सीख कर भविष्य का निर्माण किया जाना चाहिए। सम्मेलन की थीम काफ़ी सुन्दर है' - **विशिष्ठ अतिथि प्रो.रजत मूना, डी.जी., सी.डी.ए.सी, मुम्बई।**

'स्पार्क विंग की राष्ट्रीय संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. अम्बिका के द्वारा अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए सम्मेलन की विषय-वस्तु पर प्रकाश डाला गया तथा उन्होंने कहा कि हमें पास्ट को भुलाकर ईश्वरीय शक्तियों की मदद से भविष्य में आध्यात्मिक शक्तियों को पूरा-पूरा ग्रहण करना चाहिए एवं जीवन को मूल्यों से भरना चाहिए।

आध्यात्मिक स्वास्थ्य को नहीं समझने के कारण ही हम अभी तक सभी के लिए स्वास्थ्य प्राप्त नहीं कर पाए हैं। राजयोग के प्रयोग से बंद धमनियाँ खुल जाती हैं, ये मैंने देखा है'- **डॉ. सुमन बाला शर्मा, एन.आई.पी.एस., पंजाब की प्रिंसिपल।**

स्पार्क, दिल्ली ज़ोन की संयोजिका ब्रह्माकुमारी सरोज बहन ने आए हुए अतिथियों का स्वागत् किया। स्पार्क विंग की ज़ोनल संयोजिका ब्रह्माकुमारी अल्का ने योगाभ्यास करवाया।

ब्रह्माकुमारीज़ ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

डॉ. स्वर्णश्री द्वारा इस प्रकार का विश्व का यह पहला वर्ल्ड रिकॉर्ड

अहमदनगर-महा.। पच्चीस अगस्त को दादी प्रकाशमणि के स्मृति दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अहमदनगर के न्यू आर्ट्स कॉलेज के विशाल मैदान पर 15903 बच्चों को राखी बांधकर नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया गया।

वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स इंटरनेशनल,लंडन के भारत के कोऑर्डिनेटर डॉ. स्वर्णश्री तथा बिंगी नरेन्द्र गौड़ ने वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट ब्र.कु. राजेश्वरी तथा ब्र.कु. दीपक हरके को प्रदान किया।

ब्रह्माकुमारीज़ के इससे पहले बीस वर्ल्ड रिकॉर्ड करने वाले ब्र.कु. दीपक हरके के संकल्प से इस वर्ल्ड रिकॉर्ड का आयोजन किया गया। महाराष्ट्र का नम्बर वन मराठी न्यूज़ पेपर सकाळ साक्षी था।

क्रिकेट के इतिहास में एक पारी में हज़ार से ज़्यादा रन बनाने वाले विश्व के एकमात्र खिलाड़ी युवा क्रिकेटर प्रणव धनवडे को पहली राखी बांधकर इस वर्ल्ड रिकॉर्ड का उद्घाटन हुआ। इस समय मराठी फिल्म प्रोड्यूसर तथा उद्योगपति नरेन्द्रजी फिरोदिया, सकाळ न्यूज़पेपर के एडिटर बाळासाहेब बोठे उपस्थित थे। ब्रह्माकुमारीज़ अहमदनगर सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. राजेश्वरी के साथ एक सौ पचास बहनों ने 15903 बच्चों को राखी बांधी तथा ब्र.कु. राजेश्वरी ने रक्षाबंधन का महत्व बतलाया।

श्रेष्ठ प्रशासन जागृति अभियान का शुभारंभ

गांधीनगर-गुज.। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक प्रभाग द्वारा 'श्रेष्ठ प्रशासन जागृति अभियान' के उद्घाटन अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. कैलाश ने कहा कि प्रशासनिक कला के लिए अच्छा शासक होना बहुत ज़रूरी है। अच्छा शासक वही है जो स्वयं की भावनाओं को नियंत्रित कर सके। उन्होंने सभा में आये हुए सभी प्रशासक वर्ग से जुड़े लोगों को श्रेष्ठ प्रशासन के लिए प्रतिज्ञा भी कराई।

इस अवसर पर प्रशासनिक प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. आशा ने अवेकनिंग एडमिनिस्ट्रेटर फॉर एक्सीलेंट एडमिनिस्ट्रेशन विषय पर बहुत ही प्रभावशाली ढंग से अपने विचार रखे जो सभी को प्रशासनिक व्यवहार में बहोपयोगी साबित होंगे।

गुज. राज्य की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. सरला तथा डॉ. जे.एन.सिंह,मुख्य सचिव, गुज. राज्य सहित कई राज्यों के प्रशासनिक विभाग से जुड़े लोगों ने भी हिस्सा लिया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org, mediabkm@gmail.com, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 4th Oct 2016
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।